बेड़ से तैयार खाद को निकालने की विधि/ बेड से वर्मीकम्पोस्ट निकालना या वर्मीकम्पोस्ट एकत्रित करना-

जब बेड में पड़ा गोबर लगभग 15 से 18 दिन का हो जाता है तो किसान साथी बेड में देखेंगे कि ऊपरी परत में काली चाय की पत्ती की तरह परत जमा हो जाती है जो केंचुओं से विसर्जित की हुआ मल होता है। लगभग 45 से 60 दिन में केंचुए बेड के गोबर व कार्बनिक पदार्थ को जैविकक्रिया से वर्मी कम्पोस्ट में बदल देते हैं और इस दौरान केंचुओं की संख्या में कई गुना बढ़ोत्तरी हो जाती है एक हजार केचुएं एक किलोग्राम वर्मीकम्पोस्ट रोजाना तैयार कर देते हैं। जब बेड की ऊपरी सतह काली, दानेदार चाय की पत्ती की तरह दिखने लगे तो समझना चाहिए कि वर्मीकम्पोस्ट तैयार होने लगा है।

बेड में केंचुआ छोड़ने के लगभग 22 से 25 दिन के बाद वर्मी कम्पोस्ट खाद को बेड से निकालते हैं इस बात का ध्यान दें कि वर्मीकम्पोस्ट खाद निकालने के एक से दो दिन पहले से पानी का छिड़काव करना बंद कर दें। जब आप पानी का छिड़काव बंद कर देंगे तो नमी नीचे चली जाएगी और केंचुए भी नीचे चले जाएंगे। ऊपर की सूखी हुई खाद को हैंड कल्टीवेटर से कुरेद मारकर जमा कर लेना चाहिए।

वर्मीकम्पोस्ट बनाने की विधि बहुत ही आसान होती है। यह विधि न केवल पर्यावरण के प्रति सचेतता बढ़ाती है बल्कि उत्पादकता को भी बढ़ाती है। वर्मीकम्पोस्ट में अलग-अलग प्रकार के माइक्रोऑर्गेनिजम, विटामिन, और खनिजों की भरपूर मात्रा पाये जाते हैं जो मिट्टी के लिए उपयोगी होती है। केंचुओं का पहला काम गोबर या कृषि अपशिष्ट को खाना होता है, जिससे उन्हें पोषण मिलता है और उनकी संख्या बढ़ती है।
इस प्रक्रिया में केंचुओं का उपयोग होने से मिट्टी की उपज और कुल खाद्य सामग्री में सुधार होता है।
वर्मीकम्पोस्ट बनाने के दौरान केंचुओं की संख्या में तेजी से वृद्धि होती है, जो खाद्य सामग्री को और अधिक अच्छी खाद बनाने में सहायक होती है। कृषि अपशिष्ट, पेड़ों की पत्तियां, बारीक कटी हुई गाजर, और अन्य कार्बनिक सामग्री वर्मीकम्पोस्ट के लिए उपयुक्त होती है। इसके साथ ही, इसमें ठंडा और नमी का सही संतुलन होना चाहिए ताकि केंचुओं को सही मात्रा में जल और उपज उपलब्ध हो सके।

वर्मीकम्पोस्ट की तैयारी और बेड से वर्मीकम्पोस्ट निकालना एक सरल और प्रभावी प्रक्रिया है जो प्राकृतिक खाद का उत्पादन करती है जिससे किसानों को अच्छी उपजाऊ फसलें मिलती हैं। यह एक पर्यावरण के अनुकूल और सस्ता तरीका है जिससे खाद बनाने में केमिकल गुणों का इस्तेमाल नहीं होता।

वर्मीकम्पोस्ट के निकालने की प्रक्रिया में बेड से तैयार खाद को निकालना एक महत्वपूर्ण चरण होता है। यहां हम बेड से तैयार खाद को निकालने की पूरी विधि के बारे में चर्चा करेंगे।

वर्मीकम्पोस्ट बनाने के लिए बेड की तैयारी पहले से ही कुछ सामग्रियों का उपयोग में लाई जाती है। ये सामग्रियां बेड में अलग-अलग स्तरों पर डाली जाती हैं जिससे खाद की अच्छी गुणवत्ता बने और कीटाणुओं का नियंत्रण हो।

सामग्रियां:-

1. खाद्य अपशिष्ट- ये बेड के नीचे की परत होती है और खाद्य अपशिष्टों का इस्तेमाल करके खाद की गुणवत्ता को बढ़ाया जाता है।
2. कॉक पाउडर- कॉक पाउडर का उपयोग करके बेड की गंध को कम किया जा सकता है और बेड को अच्छे से खड़ा किया जा सकता है।
3. प्रकृतिक मिट्टी- प्रकृतिक मिट्टी बेड के लिए अहम है ताकि कीटाणुओं को प्रोत्साहित किया जा सके और वर्मीकम्पोस्ट की अच्छी गुणवत्ता मिल सके।
4. कीटनाशक और खाद्य मिट्टी- बेड को स्वच्छ और कीटाणु मुक्त रखने के लिए कीटनाशक और खाद्य मिट्टी का इस्तेमाल किया जा सकता है।

वर्मीकम्पोस्ट निकालने की प्रक्रिया:-

1. खाद की जांच- सबसे पहले, बेड से तैयार खाद को निकालने के लिए खाद की गुणवत्ता जांच करनी होगी। इसके लिए एक छोटी सी खाद की थैली लें और उसमें अपने हाथ की दो उंगलियां डालें। खाद की गुणवत्ता का पता करने के लिए, आपको दो उंगलियों को धीरे-धीरे अगले साथ मिलाना होगा। अगर धरती की खाद आपके हाथों में टिकती है, तो खाद पूरी तरह से तैयार हो गई है और अगर नहीं, तो आपको खाद को और समय देना चाहिए।
2. खाद की निकासी- जब खाद तैयार हो जाए, तो आप उसे निकाल सकते हैं। इसके लिए, आपको सबसे पहले बेड के चारों ओर से धीरे-धीरे खुदाई करनी होगी। आपको धीरे-धीरे खुदाई करते समय ध्यान देना होगा कि आप खाद को नुकीला न करें ताकि खाद के अंदर बने कीटाणुओं को हानि न हो।

3. खाद का संचयन - जब आप खाद को निकाल लें, तो आपको उसे संचित करना होगा। खाद को संचित करने के लिए, आप इसे एक बड़े कंटेनर या बाल्टी में रख सकते हैं। ध्यान दें कि खाद को धूप में संचित करें क्योंकि ये उसकी गुणवत्ता को बनाए रखेगा।

4. खाद का इस्तेमाल - अब, जब खाद तैयार हो गई है, तो आप उसे अपने खेतों या उद्यानों में इस्तेमाल कर सकते हैं। खाद को उपयोग करने से पहले, खेत को अच्छे से साफ़ करना चाहिए ताकि खाद का अच्छी तरह से प्रयोग हो सके।